**आयुर्वेद भारत की प्राचीन विद्या है और स्वस्थ व्यक्ति के स्वास्थ्य की रक्षा करना तथा रोग उत्पन्न होने पर उस रोग का समूल उन्मूलन ही आयुर्वेद का एकमात्र उद्देश्य है।**

उक्त बातें **गोरक्षपीठ के उत्तराधिकारी एवं गोरखपुर के सांसद योगी आदित्यनाथ जी** ने स्वास्थ्य आराध्य देव भगवान धन्वन्तरि की जयन्ती के शुभ अवसर पर कहीं।

आज धन्वन्तरि जयन्ती के शुभ अवसर पर महन्त दिग्विजयनाथ आयुर्वेद चिकित्सालय, श्री गोरखनाथ मन्दिर परिसर में आयोजित भगवान धन्वन्तरि जयन्ती समारोह को काफी हर्षोल्लास से मनाया गया।

कार्यक्रम का शुभारम्भ वैदिक मन्त्रोच्चारण एवं दीप–प्रज्जवलन के साथ हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. डी.पी.सिंह ने किया। उन्होंने कहा कि भगवान धन्वन्तरि का प्रादुर्भाव समुन्द्र मंथन के द्वारा हुआ जो कि देवताओं के चिकित्सक थे, कालान्तर में काशी में दिवोदास धन्वन्तरि के नाम से विख्यात हुए।

धन्वन्तरि पूजन के समय गुरू श्री गोरक्षनाथ चिकित्सालय के निदेशक बिग्रेडियर डॉ. के0पी0बी0सिंह, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. घनश्याम सिंह, डॉ. अवधेश अग्रवाल, डॉ. आर.के.मल्ल, डॉ. मनीष सिंह, डॉ. संजीव गुप्ता, डॉ. कमलेश पाण्डेय, डॉ. ए.एन.मिश्रा, डॉ. एस.एल.जायसवाल, डॉ. सर्वेश सिंह सहित सैकड़ो गणमान्य नागरिक एवं चिकित्सक उपस्थित थे। कार्यक्रम के साथ ही हिमालया ड्रग कम्पनी की ओर निःशुल्क मुधमेह जॉच शिविर का सफल आयोजन हुआ जो कि एक सप्ताह तक जारी रहेगा।